जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

पाठ्यक्रम

(स्नातक स्तरीय कार्यक्रम)

हिन्दी

(As per NEP 2020)

सेमेस्टर I &II सत्र 2026-2027

सेमेस्टर III &IV सत्र 2027-2028

सेमेस्टर V &VI सत्र 2028-2029

MAJOR PAPER SYLLABUS

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

हिन्दी

सेमेस्टर I

NHEQF Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	L	P	H/W	Total Hours	Credits	Total Credits	Marks		
											C.A.	EoSE	Total
4.5	I	MJR	01/HIN/MJR/101T	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	L	-	6	90	6	6	30	120	150
4.5	I	MJR	01/HIN/MJR/102T	काव्यांग विवेचन	L	-	6	90	6	6	30	120	150

01= ARTS, **HIN** = HINDI, **MJR**= Major (Core) Course, **C.A.**= Continuous Assessment, **EoSE**= End Semester Examination, **L** = Lecture, **T**= Theory, and **P**= Practical, H/W= Hours per week.

सेमेस्टर **II**

NHEQF Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	L	P	H/W	Total Hours	Credits	Total Credits	Marks		
											C.A.	EoSE	Total
4.5	II	MJR	01/HIN/MJR/151T	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	L	-	6	90	6	6	30	120	150
4.5	II	MJR	01/HIN/MJR/152T	मध्यकालीन हिन्दी कविता	L	-	6	90	6	6	30	120	150

सेमेस्टर **III**

NHEQF Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	L	P	H/W	Total Hours	Credits	Total Credits	Marks		
											C.A.	EoSE	Total
5	I	MJR	01/HIN/MJR/201T	आधुनिक हिन्दी कविता	L	-	6	90	6	6	30	120	150
5	I	MJR	01/HIN/MJR/202T	हिन्दी कथा साहित्य	L	-	6	90	6	6	30	120	150

सेमेस्टर **IV**

NHEQF Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	L	P	H/W	Total Hours	Credits	Total Credits	Marks		
											C.A.	EoSE	Total
5	IV	MJR	01/HIN/MJR/251T	हिन्दी निबंध एवं रेखाचित्र	L	-	6	90	6	6	30	120	150
5	IV	MJR	01/HIN/MJR/252T	जयशंकर प्रसाद	L	-	6	90	6	6	30	120	150

सेमेस्टर **V**

NHEQF Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	L	P	H/W	Total Hours	Credits	Total Credits	Marks		
											C.A.	EoSE	Total
5.5	V	MJR	01/HIN/MJR/301T	प्रयोगवादी हिन्दी काव्य	L	-	6	90	6	6	30	120	150
5.5	V	MJR	01/HIN/MJR/302T	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	L	-	6	90	6	6	30	120	150

सेमेस्टर **VI**

NHEQF Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	L	P	H/W	Total Hours	Credits	Total Credits	Marks		
											C.A.	EoSE	Total
5.5	VI	MJR	01/HIN/MJR/351T	लोक साहित्य	L	-	6	90	6	6	30	120	150
5.5	VI	MJR	01/HIN/MJR/352T	हिन्दी आलोचना	L	-	6	90	6	6	30	120	150

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-I		
Session 2026-2027		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**I**	
Name of the Course	**हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)**	
Course Code	01/HIN/MJR/101T	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** विद्यार्थी हिन्दी भाषा के उद्भव, विकास (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से खड़ी बोली तक) तथा उसकी संवैधानिक स्थिति का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO -2** साहित्येतिहास लेखन और परंपरा विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, प्रमुख इतिहासकारों जैसे रामचंद्र शुक्ल एवं हजारीप्रसाद द्विवेदी के योगदान का समालोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे। **CLO–3** विद्यार्थी आदिकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा सिद्ध, नाथ, जैन काव्यधाराओं और उनकी प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे। **CLO–4** विद्यार्थी भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधाराओं (संत, सूफी, राम एवं कृष्ण भक्ति) तथा उनके साहित्यिक और सामाजिक महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–5** विद्यार्थी रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराओं तथा उनकी विशेषताओं का मूल्यांकन कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	**हिन्दी भाषा** – हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास– पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी काव्य भाषा के रूप में अवधि एवं ब्रज का उदय एवं विकास, खड़ी बोली हिन्दी का विकास, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।	18
II	**साहित्येतिहास लेखन और परंपरा**– प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं इतिहासकार, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एवं आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का योगदान। काल विभाजन एवं नामकरण	18
III	**आदिकाल** – आदिकालीन परिस्थितियाँ– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आदिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ –सिद्ध, नाथ एवं जैन, प्रमुख कवि एवं उनके काव्य की विशेषताएँ, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।	18
IV	**भक्तिकाल-** सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक पृष्ठभूमि, सन्त एवं सूफी काव्य धाराओं की प्रमुख प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य धारा की प्रमुख काव्य प्रवृतियाँ, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।	18
V	**रीतिकाल-** रीतिकाल– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध कवि, रीतिसिद्ध कवि एवं रीतिमुक्त कवि और उनके काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।	18

Activities

1. समूह चर्चा - हिन्दी भाषा के विकास एवं विभिन्न साहित्यिक कालों की विशेषताओं पर विचार-विमर्श।
2. प्रस्तुतीकरण- विद्यार्थी किसी एक काल/कवि/इतिहासकार पर PPT या मौखिक प्रस्तुति देंगे।
3. पाठ एवं व्याख्या - विभिन्न कालों की काव्य रचनाओं के अंशों का वाचन और विश्लेषण।
4. तुलनात्मक अध्ययन गतिविधि- आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की विशेषताओं का चार्ट/तालिका बनाकर तुलना।
5. लघु असाइनमेंट/निबंध लेखन & किसी एक विषय (जैसे—भक्तिकाल की विशेषताएँ, हिन्दी भाषा का विकास) पर संक्षिप्त लेख लिखना

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकं –

1. हिन्दी भाषा का उद्गम एवं विकास – उदय नारायण तिवारी
2. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास- गुलाबराय
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान– नामवर सिंह

पूर्णांक – 120

समय – 3 घण्टे

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

भाग (ब) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 550 शब्द)

5 X 20 = 100 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-I		
Session 2026-2027		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**I**	
Name of the Course	**काव्यांग विवेचन**	
Course Code	01/HIN/MJR/102T	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** विद्यार्थी काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, प्रयोजन तथा काव्य भेदों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर उनका विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–2** विद्यार्थी रस के स्वरूप, उसके अवयव (स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव) तथा रस के भेदों को समझकर उनका प्रयोगात्मक विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–3** विद्यार्थी विभिन्न अलंकारों (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक आदि) की पहचान कर उनके प्रयोग और प्रभाव का मूल्यांकन कर सकेंगे। **CLO–4** विद्यार्थी विभिन्न छन्दों (दोहा, चौपाई, रोला आदि) की संरचना, मात्राएँ एवं लय को समझकर उनका व्यावहारिक प्रयोग कर सकेंगे। **CLO–5** विद्यार्थी काव्य गुण, दोष तथा शब्द शक्ति के स्वरूप को समझकर काव्य का समालोचनात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	काव्य –लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य भेद।	18
II	रस का स्वरूप, रस के अवयव– स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। रस के भेदों का परिचय।	18
III	अलंकार – सामान्य परिचय, निर्धारित अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, सन्देह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 10)	18
IV	छन्द – समान्य परिचय, निर्धारित छन्द– दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, बरवा, मन्दाक्रान्ता, हरिगीतिका, कवित्त (घनाक्षरी), छप्पय, कुण्डलिया (कुल 10)	18
V	काव्य –गुण, काव्य दोष– निर्धारित काव्य दोष– श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, ग्राम्यत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, न्यूनपदत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व (कुल 08) शब्द शक्ति, अर्थ, सामान्य परिचय	18

Activities

1. पाठ एवं विश्लेषण - काव्य अंशों के माध्यम से रस, अलंकार, छन्द आदि की पहचान और व्याख्या।
2. अभ्यास आधारित गतिविधि - विद्यार्थियों से स्वयं अलंकार, छन्द या रस के उदाहरण लिखवाना।
3. समूह चर्चा - काव्य के गुण-दोष, प्रयोजन एवं सौंदर्य तत्वों पर विचार-विमर्श।
4. रचनात्मक लेखन - किसी निश्चित छन्द या अलंकार का प्रयोग करते हुए कविता लिखना।
5. प्रस्तुतीकरण - विद्यार्थी किसी एक काव्य सिद्धांत (जैसे—रस, अलंकार, छन्द) पर प्रस्तुति देंगे।

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें–

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
2. अलंकार पारिजात – नरोत्तम दास स्वामी
3. अलंकार प्रकाश – रामचंद्र वर्मा
4. काव्यांग कौमुदी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पूर्णांक – 120

समय – 3 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

भाग (ब) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 550 शब्द) 5 X 20 = 100 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-II		
Session 2026-2027		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**II**	
Name of the Course	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	
Course Code	**01/HIN/MJR/151T**	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** विद्यार्थी 1857 के स्वतंत्रता संग्राम, हिन्दी नवजागरण तथा भारतेन्दु युग की काव्य प्रवृत्तियों, विशेषताओं और प्रमुख रचनाकारों का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–2** विद्यार्थी द्विवेदी युग की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियों, भाषा-शैली तथा प्रमुख रचनाकारों के योगदान का समालोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे। **CLO–3** विद्यार्थी छायावाद, राष्ट्रीय काव्यधारा तथा प्रगतिवाद की काव्य प्रवृत्तियों, विशेषताओं एवं प्रमुख कवियों का तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–4** विद्यार्थी प्रयोगवाद और नई कविता की प्रमुख विशेषताओं, प्रवृत्तियों तथा आधुनिक काव्य के स्वरूप को समझ और व्याख्यायित कर सकेंगे। **CLO–5** विद्यार्थी हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं (नाटक, कहानी, उपन्यास, निबंध, आलोचना, आत्मकथा आदि) के उद्भव, विकास एवं स्वरूप का मूल्यांकन कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग की काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ	18
II	द्विवेदी युग– प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ	18
III	छायावाद – अर्थ एवं परिभाषा, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ, छायावाद की काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, राष्ट्रीय काव्यधारा, प्रगतिवाद – प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, प्रमुख रचना एवं रचनाकार।	18
IV	प्रयोगवाद एवं नई कविता– प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ।	18
V	हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ – सामान्य विकास, नाटक, कहानी, एकांकी, उपन्यास, निबंध, आलोचना, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण एवं रेखाचित्र का उद्भव और विकास।	18

Activities

1. समूह चर्चा- विभिन्न साहित्यिक युगों और काव्यधाराओं की विशेषताओं पर कक्षा में विचार-विमर्श।
2. प्रस्तुतीकरण - विद्यार्थी किसी एक युग, कवि या गद्य विधा पर PPT/मौखिक प्रस्तुति देंगे।
3. पाठ एवं व्याख्या - प्रमुख कवियों/लेखकों की रचनाओं के अंशों का वाचन और विश्लेषण।
4. तुलनात्मक अध्ययन - छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि की विशेषताओं का चार्ट/तालिका बनाकर तुलना।
5. लघु निबंध/असाइनमेंट लेखन- किसी एक विषय (जैसे—नई कविता की विशेषताएँ, हिन्दी गद्य का विकास) पर संक्षिप्त आलोचनात्मक लेख लिखना।

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास- गुलाबराय
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ.नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी गद्य का विकास – रामचन्द्र तिवारी
7. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ– नामवर सिंह

पूर्णांक – 120

समय – 3 घण्टे

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

भाग (ब) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 550 शब्द) 5 X 20 = 100 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-II

Session 2026-2027

Part-A Introduction

Subject	**HINDI**
Semester	**II**
Name of the Course	**मध्यकालीन हिन्दी कविता**
Course Code	**01/HIN/MJR/152T**
Course Type:	MJR (Major)
Level of the course (As per Annexure-I)	100-199
Pre-requisite for the course (if any)	NA
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** संत साहित्य और कबीर के काव्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। **CLO–2** सूफी साहित्य और जायसी के काव्य को पढ़कर ज्ञानवर्धन कर सकेंगे। **CLO–3** कृष्णभक्तिधारा के प्रतिनिधि कवि सूरदास के काव्य को समझ सकेंगे। **CLO–4**. रामभक्तिधारा के प्रमुख कवि तुलसीदास के काव्य और भक्ति का ज्ञानार्जन कर सकेंगे। **CLO–5**. रीतिकालीन विविध काव्यधाराओं के संदर्भ में बिहारी और घनानंद के काव्य को समझ सकेंगे।
Credits	6
Toalt Marks	30+120= 150

Part-B Contents of the Course

Total lecture per week	6

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	**कबीरदास-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - सम्पूर्ण कबीर की काव्यकला, कबीर की भक्ति भावना, कबीर का सुधारवादी दृष्टिकोण	18
II	**जायसी-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश -सम्पूर्ण जायसी का काव्य सौष्ठव, जायसी का प्रेम वर्णन, जायसी का विरह वर्णन।	18
III	**सूरदास -** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - पद संख्या 23 से 52 सूर की भक्ति भावना, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर का काव्य सौष्ठव ।	18
IV	**तुलसीदास-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश – दोहा संख्या 01 से 31 तुलसी की काव्यकला, तुलसी की भक्ति भावना, लोकनायक तुलसी की समन्वय भावना।	18
V	**बिहारी-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - सम्पूर्ण बिहारी की काव्य कला, बिहारी के काव्य में श्रृंगार, नीति और भक्ति, बिहारी की सौंदर्य भावना । **घनानंद-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश -सम्पूर्ण घनानंद की प्रेमानुभूति, घनानंद की विरहानुभूति, घनानंद का काव्य सौष्ठव ।	18

Activities

1. मध्यकालीन प्रमुख कवियों के पदों की व्याख्या और विश्लेषण करेंगे।
2. विभिन्न कवियों का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।
3. विद्यार्थी काव्य–पाठ का अभ्यास करेंगे।
4. समग्र कवियों का आलोचनात्मक अध्ययन करेंगे।
5. विद्यार्थी विभिन्न छंद एवं अलंकारों को पहचानने का अभ्यास करेंगे।

Part-C Learning Resources

निर्धारित पुस्तक– मध्यकालीन हिन्दी कविता– सं.डॉ.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

सहायक पुस्तकें

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - रामकुमार परमार
2. प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिका प्रसाद सक्सेना.
3. मध्ययुगीन काव्य–साधना – डॉ.रामचंद्र तिवारी
4. मध्ययुगीन बोध का स्वरूप – डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. कबीर ग्रंथावली – रामकिशोर शर्मा
6. जायसी ग्रथावली – सं. डॉ.मनमोहन गौतम
7. तुलसी और उनका युग– राजपति दीक्षित
8. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
9. बिहारी रत्नाकर – श्रीजगन्नाथदास रत्नाकर
10. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – डॉ.बनारसीलाल गौड़
11. कबीर ग्रंथावली – श्यामसुन्दरदास

पूर्णांक – 120
समय – 3 घण्टे

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक
खण्ड (ख) सम्पर्ण पाठ्यक्रम से विकल्प सहित 5 व्याख्याएँ (शब्द सीमा 225 शब्द) 5 X 8 = 40 अंक ।
और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20 = 60 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-III		
Session 2027-2028		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**III**	
Name of the Course	**आधुनिक हिन्दी कविता**	
Course Code	**01/HIN/MJR/201T**	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	200-299	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1** भारतेन्दु एवं हरिऔध के काव्य के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना, भाषा विकास तथा भावबोध को समझ सकेंगे। **CLO–2** मैथिलीशरण गुप्त के काव्य के माध्यम से नारी–चरित्र, आदर्शवाद एवं भावात्मक गहराई का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–3** जयशंकर प्रसाद के काव्य के माध्यम से छायावादी संवेदना, प्रकृति–चित्रण एवं भावों को समझ सकेंगे। **CLO–4** निराला एवं महादेवी वर्मा के काव्य के माध्यम से व्यक्तिवाद, करूणा आध्यात्मिकता एवं भाषा–शिल्प की विशेषताओं का मूल्यांकन कर सकेंगे। **CLO–5**. अज्ञेय एवं नरेश मेहता के काव्य के माध्यम से प्रयोगवाद, आधुनिक संवेदना एवं समसामयिक जीवन–बोध का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	**भारतेन्दु हरिश्चन्द्र -** भारत वीरत्व, हिन्दी भाषा **अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध-** प्रियप्रवास (षष्ट सर्ग) पद संख्या 1 से 25 तक	18
II	**मैथिलीशरण गुप्त-** यशोधरा, कैकयी अनुताप	18
III	**जयशंकर प्रसाद-** आँसू, ले चल वहाँ भुलावा दे कर,अरूण यह मधुमय देश हमारा	18
IV	**सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-** जूही की कली, जागो फिर एक बार (द्वितीय) **महादेवी वर्मा-** दूर के संगीत सा वह कौन है,यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो	18
V	**सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय-** रात होते प्रात होते, साँप के प्रति, छब्बीस जनवरी **नरेश मेहता-**किरन धेनूएँ, एक बोध	18

Activities

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के जीवन एवं रचनाओं पर समूह चर्चा
2. भारत वीरत्व एवं हिन्दी भाषा पर निबन्ध लेखन
3. प्रिय प्रवास के पदों का वाचन एव ंव्याख्या
4 अवधि पत्र एवं संगोष्ठी पत्र का लेखन कार्य एवं प्रस्तुतीकरण

Part-C Learning Resources

निर्धारित पाठ्यपुस्तक.

1 आधुनिक हिन्दी कविता- सम्पादक, मीता शर्मा, वाणी प्रकाशन,दिल्ली।

सहायक पुस्तकें

1 आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, डॉ. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली।
2. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली।
3. भारतीय संस्कृति के अध्येता, मैथिलीशरण गुप्त, लोक भारती प्रकाशन–इलाहाबाद।
4. नयाकाव्य, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन–नई दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा–वाराणसी

पूर्णांक – 120

समय – 3 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) सम्पर्ण पाठ्यक्रम से विकल्प सहित 5 व्याख्याएँ (शब्द सीमा 225 शब्द) 5 X 8 = 40 अंक ।

और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20 = 60 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-III		
Session 2027-2028		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**III**	
Name of the Course	**हिन्दी उपन्यास एवं कहानी**	
Course Code	**01/HIN/MJR/202T**	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	200-299	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: CLO–1. उपन्यास के अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं तत्वों की सैद्धांतिकी समझ विकसित करेंगे। CLO–2. कहानी के अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं तत्वों को समझते हुए कथा विधि की विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे। CLO–3 जैनेन्द्र के त्यागपत्र के माध्यम से मनोवैज्ञानिक उपन्यास, चरित्र–चित्रण का विश्लेषण कर सकेंगे। CLO–4 सामाजिक यथार्थ, कथ्य, शिल्प एवं भाषा–शैली की विभिन्नता को समझ सकेंगे। CLO–5.आधुनिक जीवन–बोध, मानवीय संबंधों एवं संवेदनाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	
Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	उपन्यास – अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं तत्व	18
II	कहानी – अर्थ, स्वरूप, प्रकार एवं तत्व	18
III	उपन्यास – त्याग पत्र– जैनेन्द्र	18
IV	चयनित कहानियाँ– गुण्डा – जयशंकर प्रसाद लाल पान की बेगम – फणीश्वर नाथ रेणू परदा – यशपाल	18
V	चयनित कहानियाँ– दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर वापसी – उषा प्रियंवदा	18
Activities 1. कहानी/उपन्यास अंश का पठन एवं व्याख्या 2. पात्र–चित्रण एवं कथानक का विश्लेषण 3. कथाकार एवं उनकी रचनाओं पर प्रस्तुतीकरण 4. कहानी/उपन्यास की आलोचनात्मक समीक्षा लेखन 5. समूहचर्चा : कथा साहित्य में सामाजिक यथार्थ 6. अवधि पत्र एवं संगोष्ठीपत्र का लेखन कार्य एवं प्रस्तुतीकरण		
Part-C Learning Resources		
सहायक पुस्तकें– 1. कहानी : नयी कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली। 2. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन, एस.एन. गणेशन, राजपाल एण्ड सन्स–दिल्ली। 3. हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ, विवेकीराय, लोकभारती प्रकाशन–इलाहाबाद। 4. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन–वाराणसी। 5. हिन्दी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली। 6. हिन्दी उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली। 7. उपन्यास की संरचना, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली। 8. आधुनिक हिन्दी उपन्यास, भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली।		
पूर्णांक – 120 **समय – 3 घण्टे** प्रश्न एवं अंक–विभाजन भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक भाग (ब) इकाई 1 व 2 से विकल्प सहित दो टिप्पणीपरक प्रश्न एवं इकाई 3,4 व 5 से विकल्प सहित तीन व्याख्या (शब्द सीमा 275 शब्द) 5 X 8 = 40 अंक । और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20= 60 अंक सतत मूल्यांकन – 30 अंक		

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-IV

Session 2027-2028

Part-A Introduction

Subject	**HINDI**
Semester	**IV**
Name of the Course	**हिन्दी निबंध एवं रेखाचित्र**
Course Code	**01/HIN/MJR/251T**
Course Type:	MJR (Major)
Level of the course (As per Annexure-I)	200-299
Pre-requisite for the course (if any)	NA
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course, students will be able to: **CLO–1** . विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के निबंधों के अर्थ, स्वरूप, व उनके प्रकारों का विस्तृत अध्ययन कर पायेंगे। **CLO–2.** विद्यार्थी रेखाचित्र के अर्थ, स्वरूप व प्रकारों का विस्तृत अध्ययन करेंगे। **CLO–3.** विद्यार्थी इन विधाओं में रूचि जागृत कर सकेंगे। **CLO–4** . विद्यार्थी रेखाचित्र व निबंधों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे। **CLO–5.** विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की लेखन संबंधी विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
Credits	6
Toalt Marks	30+120= 150

Part-B Contents of the Course

Total lecture per week	6	
Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	निबंध का अर्थ, स्वरूप, प्रकार व तत्व रेखाचित्र का अर्थ, स्वरूप, प्रकार व तत्व	18
II	चयनित निबंध होली है – प्रतापनारायण मिश्र बनाम लॉर्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त	18
III	चयनित निबंध श्रद्धा – भक्ति – रामचन्द्र शुक्ल मेरे राम का मुकुट भीग रहा – विद्यानिवास मिश्र	18
IV	चयनित रेखाचित्र (महादेवी वर्मा) रामा, घीसा	18
V	चयनित रेखाचित्र (रामवृक्ष बेनीपुरी) रजिया, बालगोबिन भगत	18

Activities

1. कक्षा में निबंधों की विशद जानकारी के पश्चात् प्रस्तुतीकरण करवाया जायेगा।
2. पाठ्यक्रम में संकलित निबंधों का उनके केन्द्रीय भाव के आधार पर अध्यापन।
3. निबंध तथा रेखाचित्रों को पढकर सूची तैयार करवाना।
4. पाठ्यक्रम के सभी निबंधों एवं रेखाचित्रों को पढ़कर उनका प्रस्तुतीकरण करवाना।

Part-C Learning Resources

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें

1 चेतना का संस्कार – संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, डॉ. सदानन्द गुप्त– वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा , लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली

3. माटी की मूरतें– रामवृक्ष बेनीपुरी, ज्ञान गंगा, दिल्ली

पूर्णांक – 120

समय – 3 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

भाग (ब) इकाई 1 से विकल्प सहित एक टिप्पणीपरक प्रश्न एवं इकाई 2,3,4 व 5 से विकल्प सहित चार व्याख्या (शब्द सीमा 275 शब्द) 5 X 8 = 40 अंक ।

और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20= 60 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-IV		
Session 2027-2028		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**IV**	
Name of the Course	**जयशंकर प्रसाद**	
Course Code	01/HIN/MJR/252T	
Course Type:	Major (MJR)	
Level of the course (As per Annexure-I)	200-299	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course, students will be able to: CLO–1 कवि जयशंकर प्रसाद के जीवन एवं व्यक्तित्व का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। CLO–2 प्रसाद की रचनाओं एवं काव्य–विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे। CLO– 3 छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे। CLO–4 नाटक, उपन्यास, कविता व कहानी विधाओं में प्रसाद के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे। CLO–5 प्रसाद की प्रमुख कृतियों का समालोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	जयशंकर प्रसाद का जीवन वृत्त जीवन परिचय प्रसाद की लेखन यात्रा प्रसाद की राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना छायावादी कवि के रूप में जयशंकर प्रसाद	18
II	काव्य पेशोला की प्रतिध्वनि आत्मकथा हिमाद्रि तुंग जुंग से	18
III	नाटक स्कंदगुप्त	18
IV	उपन्यास कंकाल	18
V	मधुआ (कहानी) रंगमंच (निबंध) काव्य और कला (निबंध)	18

Activities

1. प्रस्तुति
2. पाठ विश्लेषण
3. नाट्य मंचन
4. समूह चर्चा
5. अवधि पत्र एवं संगोष्ठी पत्र का लेखन कार्य एवं प्रस्तुतीकरण

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें

1. स्कन्दगुप्त (नाटक) – जयशंकर प्रसाद
2. कंकाल (उपन्यास) – जयशंकर प्रसाद
3. छायावाद – नामवर सिंह

पूर्णांक – 120
समय – 3 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक
भाग (ब) इकाई 1 से विकल्प सहित एक टिप्पणीपरक प्रश्न एवं इकाई 2,3,4 व 5 से विकल्प सहित चार व्याख्या (शब्द सीमा 275 शब्द) 5 X 8 = 40 अंक ।
और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20= 60 अंक
सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-V		
Session 2028-2029		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**V**	
Name of the Course	**प्रयोगवादी हिन्दी काव्य**	
Course Code	**01/HIN/MJR/301T**	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	300-399	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After successful completion of the course, students will be able to: **CLO–1**. अज्ञेय के काव्य से प्रयोगवाद, आत्मबोध एवं आधुनिक संवेदना की समझ विकसित होगी। **CLO–2**. शमशेर बहादुर सिंह के काव्य से भाषा–सौन्दर्य, बिंब विधान एवं संवेदनशील अभिव्यक्ति का ज्ञान होगा। **CLO–3**. भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य से लोकधर्मिता, सरलता एवं मानवीय मूल्यों की समझ बनेगी। **CLO–4**. मुक्तिबोध के काव्य से बौद्धिकता, सामाजिक चेतना एवं आत्म संघर्ष का बोध होगा। **CLO–5**. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य से समसामयिक जीवन–बोध, व्यंग्य एवं संवेदनात्मक दृष्टि का विकास होगा।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	**सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय-** कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, बावरा अहेरी	18
II	**शमशेरबहादुर सिंह-** गिर गया है समय का रथ, बात बोलेगी	18
III	**भवानी प्रसाद मिश्र-** लुहार से, मंगल वर्षा, गीत फरोश	18
IV	**गजानन माधव मुक्तिबोध-** दूर तारा, खोल आँखें, मृत्यु और कवि	18
V	**सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -** सुहागिन का गीत, सूखे पीले पत्तों ने कहा, विवशता	18

Activities

1. कविताओं का वाचन एवं भावार्थ
2. कवि एवं रचनाओं का विश्लेषण
3. काव्य में भावों एवं शैली पर समूह चर्चा
4. टिप्पणी लेखन एवं प्रश्न–उत्तर
5. संगोष्ठी पत्र लेखन एवं प्रस्तुतीकरण

Part-C Learning Resources

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें– आधुनिक काव्य संग्रह– सं. रामवीर सिह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

सहायक पुस्तकें.

1. नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ –रामस्वरूप चतुर्वेदी–लोकभारती प्रकाशन–इलाहाबाद
2. प्रयोगवाद और नयी कविता–नामवर सिंह – वाणी प्रकाशन–नई दिल्ली
3. आधुनिक हिन्दी कविता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी– वाणी प्रकाशन–नई दिल्ली
4. हिन्दी कविता का आधुनिक परिदृश्य –रामविलास शर्मा–राजकमल प्रकाशन–नई दिल्ली
5. नयी कविता के प्रमुख कवि–विश्वनाथ त्रिपाठी– वाणी प्रकाशन–नई दिल्ली
6. समकालीन हिन्दी कविता–अशोक वाजपेयी– वाणी प्रकाशन–नई दिल्ली

पूर्णांक – 120
समय – 3 घंटे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न(शब्दसीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20अंक
भाग (ब) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से विकल्प सहित पाँच व्याख्या (शब्द सीमा 275 शब्द) 5 X 8 = 40अंक ।
और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20 = 60 अंक

सतत मूल्यांकन– 30

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-V		
Session 2028-2029		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**V**	
Name of the Course	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी**	
Course Code	**01/HIN/MJR/302T**	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	300-399	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	On successful completion of the course, students will be able to: **CLO–1**. विद्यार्थी हिन्दी नाटक का अर्थ, स्वरूप एवं उसके सतत विकास की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। **CLO–2**. एकांकी ; नाटक से किन तत्वों के आधार पर भिन्न है, उसका अर्थ, स्वरूप एवं विकास को जान पायेंगें । **CLO–3** पाठ्यक्रम में जोड़े गये नाटकों को विस्तार से जान सकेंगे साथ ही तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को समझ सकेंगे। **CLO–4** पाठ्यक्रम में संकलित चारों एकांकी को पढ़कर सामाजिक मूल्यों के आधार पर उनका विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–5**. रंगमंच के तत्वों के आधार पर नाटक एवं एकांकी का मूल्यांकन कहने में विद्यार्थी सक्षम हो सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	
Units	**Topics**	**No. of Lecture/ Contact Hours**
I	हिन्दी नाटक का अर्थ, स्वरूप और विकास, तत्व, प्रकार हिन्दी एकांकी का अर्थ, स्वरूप और विकास, तत्व	18
II	नाटक ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद	18
III	नाटक आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश	18
IV	एकांकी दीपदान– रामकुमार वर्मा, वापसी– विष्णु प्रभाकर	18
V	एकांकी आत्मदान– उपेन्द्र नाथ अरक जोंक– उदयशंकर भट्ट	18
Activities 1. कक्षा में नाटक तथा एकांकी के बारे में जानकर उस पर परियोजना/प्रस्तुतिकरण करेंगे। 2. विद्यार्थी पात्रानुकूल भाषा/संवाद/ कथोपकथन/देशकाल को समझ कर उसके अनुसार अभिनय कौशल का मंचन करेंगे। 3. विद्यार्थी अभिनय में दक्षता प्राप्त करेंगे। 4. इतिहास एवं जीवन के नायकों के चरित्र को जानकर उनके मूल्यों को आत्मसात करेंगे। 5. हिन्दी के नाटकों तथा एकांकियों का मूल्यगत आधार पर विभाजन कर सूची निर्माण करेंगे।		
Part-C Learning Resources		
निर्धारित पाठ्यपुस्तकें – 1. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद 2. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश 3. प्रतिनिधि एकांकी संकलन – लक्ष्मी नारायण लाल, पीताम्बर पब्लिकेशन्स हाउस		
पूर्णांक – 120 **समय – 3 घण्टे** प्रश्न एवं अंक–विभाजन भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक भाग (ब) इकाई 1 से विकल्प सहित एक टिप्पणीपरक प्रश्न एवं इकाई 2,3,4 व 5 से विकल्प सहित चार व्याख्या (शब्द सीमा 275 शब्द) 5 X 8 = 40 अंक । और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20= 60 अंक सतत मूल्यांकन – 30 अंक		

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-VI		
Session 2028-2029		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**VI**	
Name of the Course	**लोक साहित्य**	
Course Code	**01/HIN/MJR/351T**	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	300-399	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After completing the course: **CLO–1**.विद्यार्थी लोक साहित्य, संस्कृति की परिभाषा, स्वरूप आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। **CLO–2**. विद्यार्थी लोक साहित्य के विविध रूपों एवं शब्दावली को समझने में सक्षम होगा। **CLO–3**. विद्यार्थी राजस्थानी लोक कलाएँ– नृत्य आदि जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होगा। **CLO–4**. विद्यार्थी लोक गीत, कथाएँ आदि में रुचि लेगा।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	6	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	लोक साहित्य– परिभाषा एवं स्वरूप, लोक संस्कृति एवं साहित्य , लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता	18
II	राजस्थानी लोक साहित्य का वैशिष्ट्य, लोक गीतों में निरूपित संस्कृति, लोक सांस्कृतिक शब्दावली	18
III	राजस्थानी लोक कलाएँ , लोक नृत्य, लोक कथाएँ, लोक नाट्य	18
IV	लोक गीत - संस्कार गीत, व्रत व त्योहारों के गीत, ऋतु गीत, श्रम गीत, लोक वाद्य और लोक संगीत का हिन्दी सिनेमा में प्रयोग	18
V	प्रसिद्ध लोक गाथाएँ- ढोला–मारू, गोपीचंद भरथरी, पाबूजी की पड़, तेजा लोक गाथा, बगड़ावत लोक गाथा, रामदेवजी के सायल	18

Activities

1. विद्यार्थियों को लोक साहित्य, संस्कृति की जानकारी देंगे।
2. राजस्थानी लोक साहित्य विशिष्टताओं के बारे में चर्चा करेंगे।
3. लोक गीतों के बारे में चर्चा कर विद्यार्थियों से गाने का अभ्यास करेंगे।
4. अपने क्षेत्र में लोक कथाओं व प्रथाओं की शैलियों की जानकारी देंगे।

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें

1. भारतीय लोक साहित्य - श्याम परमार
2. लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास (16वां खण्ड)- नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
4. राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. सोहनदान चारण
5. लूर : लोक देवता तेजाजी विशेषांक - डॉ. जयपाल सिंह राठौड़
6. राजस्थानी लोक गाथा : एक अध्ययन - कृष्ण कुमार शर्मा
7. राजस्थानी लोक साहित्य - नानूराम संस्कर्ता
8. राजस्थानी शब्द कोश - डॉ. सीताराम लालस
9. सांस्कृतिक पारिभाषिक शब्दावली - डॉ. मोहम्मद सद्दीक

पूर्णांक – 120
समय – 3 घण्टे

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक
भाग (ब) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न (कुल पाँच) (शब्द सीमा 550 शब्द) 5 X 20 = 100 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक

Undergraduate Programme (HINDI) Syllabus, Semester-VI		
Session 2028-2029		
Part-A Introduction		
Subject	**HINDI**	
Semester	**VI**	
Name of the Course	**हिन्दी आलोचना**	
Course Code	**01/HIN/MJR/401T**	
Course Type:	MJR (Major)	
Level of the course (As per Annexure-I)	300-399	
Pre-requisite for the course (if any)	NA	
Course Learning Outcomes (CLO)	After successful completion of the course, students will be able to: **CLO–1**. हिन्दी आलोचना के सैद्धांतिक पक्ष को समझ सकेंगे। **CLO–2**. निर्धारित आलोचकों के आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं साहित्यिक उद्देश्यों का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–3**. निर्धारित आलोचकों के आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं साहित्यिक उद्देश्यों का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–4** . निर्धारित आलोचकों के आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं साहित्यिक उद्देश्यों का विश्लेषण कर सकेंगे। **CLO–5**. . निर्धारित आलोचकों के आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं साहित्यिक उद्देश्यों का विश्लेषण कर सकेंगे।	
Credits	6	
Toalt Marks	30+120= 150	
Part-B Contents of the Course		
Total lecture per week	3	

Units	**Topics**	**No. of Lecture/Contact Hours**
I	आलोचना का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप व हिन्दी आलोचना के विविध प्रकार सैद्धांतिक आलोचना, मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, सांस्कृतिक	18
II	भारतेन्दु – नाटक प्रेमचन्द – साहित्य का उद्धेश्य	18
III	रामचन्द्र शुक्ल– काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था हजारी प्रसाद द्विवेदी– आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ	18
IV	रामविलास शर्मा– तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य अज्ञेय– तार सप्तक की भूमिका	18
V	नामवर सिंह – नयी कहानी : सफलता और सार्थकता रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला (प्रसाद निराला 'अज्ञेय' पुस्तक से)	18

Activities

1. विभिन्न आलोचना सिद्धान्तों पर चर्चा।
2. विद्यार्थी किसी एक आलोचक पर पी.पी.टी. प्रस्तुत करें।
3. किसी साहित्यिक पाठ/निबंध का आलोचनात्मक विश्लेषण करना।
4. किसी आलोचनात्मक कृति की पुस्तक समीक्षा ।
5. किसी रचनात्मक कृति का विभिन्न दृष्टिकोणों से विश्लेषण करना।

Part-C Learning Resources

सहायक पुस्तकें

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्द किशोर नवल
3. भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा – रामविलास शर्मा
4. चिंतामणि – रामचन्द्र शुक्ल
5. प्रेमचन्द रचनावली– सं. कमलकिशोर गोयनका
6. कहानी : नयी कहानी– नामवर सिंह
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय– रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. तार सप्तक – सं. अज्ञेय
9. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. परंपरा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा

पूर्णांक – 120

समय – 3 घण्टे

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

भाग (अ) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 50 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

भाग (ब) इकाई 1 से विकल्प सहित एक टिप्पणीपरक प्रश्न एवं इकाई 2,3,4 व 5 से विकल्प सहित चार व्याख्या (शब्द सीमा 275 शब्द) 5 X 8 = 40 अंक ।

और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 20= 60 अंक

सतत मूल्यांकन – 30 अंक